vinetur

फ्रांसीसी वाइन उत्पादक जलवायु नुकसान से बेलों को बचाने के लिए €4 अरब मांग रहे हैं

उनका कहना है कि 2026 में 93% सदस्यों को जलवायु नुकसान हुआ, जिससे 4,00,000 हेक्टेयर पर रोकथाम उपकरणों की दलील मजबूत होती है।

मंगलवार, 29 सितंबर 2026



फ्रांस के Independent Winegrowers सरकार और क्षेत्रों से €4 अरब की एक योजना की मांग कर रहे हैं, ताकि ओलों, पाले और सूखे से दाख की बारियों की रक्षा की जा सके। उनका कहना है कि देश अब जलवायु नुकसान हो जाने के बाद मुख्यत: मुआवजे पर निर्भर नहीं रह सकता।

Vignerons Indépendants de France के अध्यक्ष Jean-Marie Fabre ने 24 सितंबर को पत्रकारों के सामने यह प्रस्ताव रखा। विवरण बाद में 28 सितंबर को Vitisphere ने प्रकाशित किए। संघ का कहना है कि 2026 में उसके सदस्य व्यवसायों में से 93% कम से कम एक जलवायु-संबंधी घटना से प्रभावित हुए, जब कई वाइन क्षेत्रों में लू, सूखा और ओलावृष्टि का वर्ष रहा।

समूह चाहता है कि यह पैसा पाँच वर्षों में लगभग 4,00,000 हेक्टेयर दाख की बारियों को सुसज्जित करने में खर्च किया जाए। Fabre ने यह आँकड़ा लगभग 7,00,000 हेक्टेयर के राष्ट्रीय दाख-क्षेत्र पर आधारित किया, जिसमें 1,20,000 से 1,50,000 हेक्टेयर पहले से ही सुरक्षित हैं। शेष सतह के लगभग 30% को योजना से बाहर करने के बाद, संघ का कहना है कि लगभग 4,00,000 हेक्टेयर को अब भी सुरक्षा की जरूरत है। गणना का आधार €10,000 प्रति हेक्टेयर रखा गया है, जो ओलावृष्टि-रोधी जाल की अनुमानित लागत है।

प्रस्ताव के तहत €2 अरब यूरोपीय कृषि कोष for Rural Development, जिसे उसके फ्रांसीसी संक्षेप Feader से जाना जाता है, से आएँगे और €2 अरब सार्वजनिक वित्तपोषण से आएँगे, जिसे फ्रांसीसी राज्य और क्षेत्रीय सरकारें बराबर-बराबर साझा करेंगी। पाँच वर्षों में बाँटने पर राज्य का हिस्सा प्रति वर्ष €200 मिलियन होगा।

Fabre ने कहा कि सब्सिडी वाली फसल बीमा पर केंद्रित मौजूदा व्यवस्था अब कई उत्पादकों के लिए पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि बार-बार होने वाले नुकसान बीमा कवर के मूल्य को कमज़ोर कर देते हैं, क्योंकि भुगतान ऐसे संदर्भित फसली परिणामों पर आधारित होते हैं जो पहले की आपदाओं से पहले ही घट चुके होते हैं। 2027 में अपेक्षित एक सुधार के बावजूद, संघ का कहना है कि लगातार कई वर्षों तक प्रभावित रहे एस्टेट्स जोखिम में बने रहेंगे।

यह अपील ऐसे समय आई है जब फ्रांस के 1957 के बाद के अपने सबसे छोटे वाइन फसल की ओर बढ़ने की उम्मीद है, जो लगभग 33.8 मिलियन हेक्टोलिटर होगी। इस गर्मी में ओलावृष्टि ने Cognac से लेकर Beaujolais और Burgundy तक की दाख की बारियों को नुकसान पहुँचाया, जबकि अत्यधिक गर्मी ने कई अन्य क्षेत्रों में अंगूरों को क्षति पहुँचाई। ऐसे में, संघ का कहना है कि हर घटना के बाद आपात सहायता देने के बजाय रोकथाम प्रणालियों में निवेश करना अधिक तर्कसंगत है।

Fabre ने इस मांग को उतना ही बजट का मुद्दा बताया जितना कृषि का। उनके अनुसार, फसल मात्रा में 10% की गिरावट का मतलब कर राजस्व में €600 मिलियन कम होना है। उनका तर्क है कि उत्पादन का नुकसान सार्वजनिक वित्त को दो बार प्रभावित करता है : पहले कर वसूली घटाकर, और फिर व्यवसायों को बंद होने से बचाने के लिए राज्य समर्थन की जरूरत बढ़ाकर। उन्होंने प्रस्तावित वार्षिक राज्य योगदान की तुलना इस वर्ष जारी किए गए €1 अरब के आपात पैकेज से की है, जिसे सूखे से जुड़ी कृषि हानियों की भरपाई के लिए दिया गया था।

संघ तथाकथित बैंकिंग “white year” भी चाहता है, यानी उन वाइन एस्टेट्स के लिए ऋण चुकौती में एक साल की देरी, जिनके पास बहुत कम या बिल्कुल नकदी नहीं बची है। Fabre का कहना है कि कई उत्पादक अपनी कर्ज़ क्षमता की सीमा तक पहुँच चुके हैं। उनका तर्क है कि €100,000 के ऋण की चुकौती को एक साल टाल देना अभी उपलब्ध प्रत्यक्ष सहायता से कहीं अधिक सार्थक राहत देगा, जिसे उनके अनुसार इस वर्ष अधिकतम प्रति एस्टेट €3,000 तक सीमित रखा जाएगा, जबकि यदि राज्य को केवल ब्याज भरना हो तो उसकी लागत भी कम होगी।

संघ द्वारा प्रस्तुत पैकेज केवल दाख की बारी सुरक्षा तक सीमित नहीं है। इसमें निर्यात और बाज़ार पहुँच पर भी माँगें शामिल हैं। Fabre चाहते हैं कि वाइन कारोबार के नेता विदेश में व्यापार मिशनों पर मंत्रियों के साथ जाएँ। वे दुनिया भर में वाइन पर शून्य शुल्क की माँग कर रहे हैं और चाहते हैं कि वाइन और स्पिरिट्स पर aerospace और industry जैसे क्षेत्रों के साथ अलग से बातचीत हो, न कि व्यापक agri-food वार्ताओं के भीतर। संघ यूरोपीय आबकारी शुल्कों के लिए एक ही संपर्क बिंदु भी चाहता है।

इसका समय राजनीतिक है। फ्रांसीसी सीनेट का आधा हिस्सा 27 सितंबर को नवीनीकृत किया गया था, और Vitisphere के अनुसार उच्च सदन का wine and vine study group अपना अध्यक्ष खो रहा है। Independent Winegrowers चाहते हैं कि दाख की बारी सुरक्षा के लिए धन अगले बजट बहस में शामिल हो।

यदि यह प्रस्ताव गति पकड़ता है, तो इसका असर दाख की बारी के मालिकों से कहीं आगे तक जा सकता है। रोकथाम उपकरणों के लिए सार्वजनिक समर्थन की ओर झुकाव से वाइन कारोबार में निवेश संबंधी फैसलों पर असर पड़ने की

संभावना है, जिसमें सुरक्षात्मक ढाँचे पर खर्च और बीमा की भूमिका शामिल है। यह जलवायु जोखिम को पेय उद्योग कैसे संभालता है, इस पर व्यापक चर्चाओं को भी आकार दे सकता है—अंगूर आपूर्ति से लेकर बोतलों की उपलब्धता और कीमतों तक।

अभी के लिए, संघ फ्रांसीसी नीति-निर्माताओं को एक अलग दृष्टिकोण की ओर ले जाने की कोशिश कर रहा है : तूफान, पाला और सूखा फसल नष्ट करें, उससे पहले सार्वजनिक धन खर्च करना, न कि उन नुकसानों के बाद, जो पहले ही देश के सबसे महत्वपूर्ण पेय क्षेत्रों में से एक में फैल चुके हों।